ALL INDIA FORUM AGAINST PRIVATISATION (AIFAP)

AN ATTACK ON ONE IS AN ATTACK ON ALL!

Website: https://aifap.org.in
Email: contact@aifap.org.in

WhatsApp Number:
+918454018757

बधाई हो!

प्रिय साथियों एवं मित्रों,

वर्ष 2024 के पहले महीने में, मैं जनता के पैसे से निर्मित सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के निजीकरण का विरोध करने के हमारे साझे संघर्ष में हम सभी की और अधिक सफलता की कामना करता हूँ।

सर्व हिंद निजीकरण विरोधी फोरम (AIFAP) का गठन 4 जुलाई, 2021 को इसकी फाउंडेशन मीटिंग में किया गया था। इसका घोषित उद्देश्य किसी भी रूप में निजीकरण का विरोध करना, निजीकरण के खिलाफ सभी क्षेत्रों के एकजुट संघर्ष का निर्माण करना और विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक फोरम प्रदान करना था। उस समय सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के श्रमिक यूनियनों तथा एसिओसेशनों के राष्ट्रीय फेडरेशनों, और लोक संगठनों सहित 40 से अधिक संगठन सदस्य बन गए थे।

पिछले ढाई वर्षों में, AIFAP के सदस्यों की संख्या 105 से अधिक हो गई है। बधाई हो! सदस्य फेडरेशनें, यूनियनें और एसोसिएशनें 15 से अधिक विभिन्न क्षेत्रों से हैं, जिस में शामिल हैं रेलवे, बिजली, राज्य सरकार के कर्मचारी, बैंकिंग, बीमा, कोयला, पेट्रोलियम, इस्पात, बंदरगाह और डॉक, रक्षा (डीआरडीओ) और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां, एयर इंडिया, बीएसएनएल, सड़क परिवहन, शिपिंग, शिक्षक और पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए संगठन के साथ-साथ संयुक्त कार्रवाई मोर्चे और जन संगठन।

AIFAP वेबसाइट (www.aifap.org) 1 अगस्त, 2021 को लॉन्च की गई थी। मुझे आपको यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि **इसके सभी सदस्यों के उत्साही योगदान से, 1 जनवरी, 2024 तक इसकी दर्शकों की संख्या 3,00,000 को पार कर गई है।** यह इसे देश में श्रमिकों की सबसे सक्रिय और बारंबार देखी जाने वाली वेबसाइटों में से एक बनाता है। आप सभी को हार्दिक बधाई!

मोटे तौर पर हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि AIFAP ने उन उद्देश्यों को पूरा किया है जिनके लिए इसका गठन किया गया था और यह एक ऐसा फोरम बन गया है जो सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के निजीकरण के खिलाफ चल रहे संघर्ष को मजबूत करने में योगदान दे रहा है। यह नीति

1991 में शासक वर्ग के निजीकरण और उदारीकरण एजेंडे के माध्यम से वैश्वीकरण के एक हिस्से के रूप में शुरू की गई थी और लगातार सरकारों द्वारा इसका पालन किया गया है। निजीकरण के ख़िलाफ़ संघर्ष सरकार की मज़दूर-विरोधी, जन-विरोधी नीतियों के ख़िलाफ़ हमारे लोगों के समग्र संघर्ष का भाग है। ये नीतियां बड़े इजारेदारी कॉरपोरेट्स की ओर से लागू की जा रही हैं और इन नीतियों का उद्देश्य इन कॉरपोरेट्स को लोगों की संपत्ति हड़पकर और श्रमिकों को न्यूनतम वेतन के साथ अधिकतम श्रम निकालने के लिए मजबूर करके अमीर बनने में सक्षम बनाना है।

आप सभी के सक्रिय समर्थन से AIFAP का निर्माण और सुदृढ़ीकरण हुआ है। मुझे यकीन है कि आपके निरंतर सक्रिय समर्थन से अधिक सदस्यों के शामिल होने और हमारी वेबसाइट की दर्शकों की संख्या में वृद्धि के साथ यह और मजबूत होगी।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

डॉ. ए. मैथ्यू,
संयोजक,
सर्व हिंद निजीकरण विरोधी फोरम (AIFAP)
9833387137

18 जनवरी 2024